देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 294 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
संवैधानिक जरूरत

पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 5 मार्च 2025

मौसम अधिकतम 21.0° न्यूनतम 11.0° | 82924.41 | 2 यूक्रेनी सैन्य सहायता पर लगाई रोक | 7 मुश्किल समय में साथ कोई नहीं होता

जो हमारा है हमें मिल जाना चाहिएः योगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए बताया कि महाकुंभ के आयोजन से प्रदेश को तीन लाख करोड़ रुपए के राजस्व की प्राप्ति हुई है। उन्होंने अलग-अलग सेक्टर में हुई कमाई का भी ब्योरा दिया। इसके साथ ही प्रयागराज के एक नाविक परिवार की सक्सेस स्टोरी भी सुनाई। सीएम योगी ने बताया कि इस नाविक परिवार ने 45 दिनों के महाकुंभ में 30 करोड़ रुपए की शुद्ध बचत की है।

सीएम योगी ने अपने हमले जारी रखते हुए कहा कि आप कहते हैं कि हमारी सोच सांप्रदायिक है, आप मुझे बताइए कि हमारी सोच कहां से सांप्रदायिक है। हम तो सबका साथ, सबके विकास की बात करते हैं। हमारा तो आदर्श है सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे सर्वे संतु निरामया। इसका सबसे आदर्श उदाहरण आपके सामने है महाकुम्भ। 45 दिन के इस आयोजन ने भारत की विरासत और विकास की एक अनुपम छाप न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के सामने प्रस्तुत की है। क्या उसमें किसी के साथ कोई भेदभाव हुआ है। न जाति का भेद, ना क्षेत्र का भेद, ना मत और मजहब का भेद था। 100 से अधिक देशों के लोग बड़ी श्रद्धा भाव के साथ आए। जो भी विकास और विरासत की इस अनुपम छटा का सहभागी बना वह अभिभूत होकर गया। हमने यही कहा है की जो हमारा है वह हमें मिल जाना चाहिए। हम इससे इतर कहीं नहीं जा रहे हैं। सच कड़वा होता है और कड़वे सच को स्वीकार करने का सामर्थ्य भी होना चाहिए।

बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में शुरुआत से ही समाजवादी पार्टी पर करारा हमला किया है। उन्होंने साफ कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ राम मनोहर लोहिया का नाम तो लेती है, लेकिन वह उनके मूल्यों और आदर्शों से दूर जा चुकी है। भारत की जनता जब तक इन तीन देव महापुरुषों को अपना आदर्श मानेगी तब तक भारत, भारत बना रहेगा। इन तीनों देव महापुरुषों पर समाजवादी पार्टी का कोई विश्वास नहीं है, क्योंकि आप लोग भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं।

महाकुंभ में नाविक परिवार ने 45 दिन में कमाए 30 करोड़

चच्चू शिवपाल पर तंज

सीएम योगी ने कहा, आपके यहां चुनाव के एक्सपर्ट शिवपाल जी हैं। चच्चू से ज्यादा चुनाव कैसे जीते जाते हैं, ये कौन जानता है। ये हम लोगों ने भी बहुत नजदीक से महसूस किया है। दूसरों को उपदेश देने से पहले सपा ने चीजों को अपने आचरण में उतारा होता तो इतनी करारी हार नहीं होती।

45 दिन में एक भी घटना नहीं घटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम लोग सामान्य बजट पर चर्चा में भाग ले रहे हैं तब प्रयागराज का महाकुम्भ अपनी भव्यता, दिव्यता और अपनी विरासत को आने वाली पीढ़ी के लिए छोड़कर संपन्न हो चुका है। आप कानून व्यवस्था की बात कर रहे थे। 45 दिनों में 66 करोड़ 30 लाख से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक देश और दुनिया से प्रयागराज आए. 66 करोड़ में से आप मान कर चलिए कि कम से कम आधी आबादी तो महिलाओं की रही होगी, क्योंकि महिलाएं ज्यादा धार्मिक होती है। एक भी छेड़खानी की घटना नहीं हुई, एक भी अपहरण की घटना नहीं, एक भी लूट की घटना नहीं, एक भी हत्या की घटना नहीं, एक भी ऐसा उदाहरण नहीं जो उत्तर प्रदेश को या भारत को या सनातन धर्मावलंबियों को कटघरे में खड़ा करता हो।

विदेशी मीडिया भी महाकुम्भ को देखकर हुआ अभिभूत

सीएम योगी ने कहा कि अक्सर हम देखते हैं कि भारत के बारे में विदेशी मीडिया बहुत नकारात्मक टिप्पणी करता है। विदेशी मीडिया ने इस बार महाकुम्भ के बारे में जो टिप्पणी की है उसे जानना चाहिए। वॉल स्ट्रीट जनरल ने लिखा कि यह एक ऐसा आयोजन था जहां अमेरिका की कुल आबादी से ज्यादा लोग जुटे। बीबीसी ने लिखा, महाकुंभ मानवता का सबसे बड़ा समागम था। एक्सप्रेस ट्रिब्यून कहता है कि यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समारोह रहा। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस महाआयोजन में न केवल श्रद्धालु और पर्यटक, बल्कि नेता और हस्तियां भी पहुंची थीं। राइटर ने इसे डिजिटल कुम्भ बताया।

संक्षिप्त समाचार

जुल्म के खिलाफ एकजुट हों किसानः मलिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों के गवर्नर रहे सत्यपाल मलिक ने पंजाब में कई किसान नेताओं को हाउस अरेस्ट करने पर घोर आपत्ति जताई है और इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि पंजाब में किसानों के साथ जो सलूक हुआ है, वह निंदनीय है और मुख्यमंत्री का व्यवहार बहुत आपत्तिजनक रहा है। उन्होंने इसके विरोध में सभी किसानों से एकजुट होने का आह्वान किया है।

कर्मचारी चिल्ला रहे 6 महीने से नहीं मिली सैलरीः सीएम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार शाम अचानक गुरु तेग बहादुर अस्पताल में छापेमारी करने पहुंचीं। वह अस्पताल के गोदाम में गईं जहां कोरोना काल के समय का काफी सामान गोदाम में पड़ा पाया। उन्होंने कहा, कोरोना के समय का हजारों का सामान यहां सड़ रहा है। कर्मचारी चिल्ला रहे थे कि 6 महीने से हमारी सैलरी नहीं मिली।

जिलाधिकारियों को जनपदो में शिक्षा योजनाओं की ऑनरशिप लेने की हिदायत

सभी डीएम को सम्पर्क योजना की माह में एक बार अनिवार्यतः समीक्षा के निर्देश

संवाददाता

चम्पावत, पौड़ी, खिर्सू, डीडीहाट तथा ऊखीमठ ब्लॉक पर विशेष फोकस

चम्पावत, सितारगंज, पौड़ी, खिर्सू, डीडीहाट तथा ऊखीमठ ब्लॉक में सम्पर्क योजना के संचालन पर विशेष फोकस करने के निर्देश देते हुए मुख्य सचिव श्रीमती रतूड़ी ने सम्बन्धित अधिकारियों को हिदायत दी है कि शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए तकनीक संचालित लर्निंग टूल्स को एकीकृत करना होगा ताकि राज्य की विद्यार्थियों को एक उन्नत तथा परस्पर संवादात्मक शैक्षणिक अनुभव प्राप्त हो सके।

देहरादून। जनपदों में स्कूली शिक्षा के कायाकल्प के लिए प्रेरित करते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जिलाधिकारियों को शिक्षा से सम्बन्धित योजनाओं की ऑनरशिप लेने के निर्देश दिए हैं। सीएस श्रीमती रतूड़ी सचिवालय में माध्यमिक शिक्षा में जनपदों में समग्र शिक्षा तथा सम्पर्क फाउण्डेशन के तहत टीचिंग लर्निंग मेटिरियलस (टीएलएम) व डिजिटल रिसोर्स की उपयोगिता से सम्बन्धित सम्पर्क योजना की समीक्षा कर रही थी।

समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड एवं सम्पर्क फाउण्डेशन के बीच एमओयू के तहत वर्ष 2014 से सम्पर्क योजना के अर्न्तगत राज्य के 13 जिलों के 95 ब्लॉक के 11479 स्कूलों में डिजिटल रिसोर्स, टीवी डिवाइसेज स्मार्ट एलईडी टीवी, सम्पर्क स्मार्टशाला एफएलएन एण्ड साइंस टीवी डिवाइसेज (1000 से अधिक ऑफलाइन कंटेट के साथ), विडियो आदि के माध्यम से स्कूलों को स्मार्ट क्लासेज में अपग्रेड करने का प्रयास किया जा रहा है।

सभी डीएम को सम्पर्क योजना की माह में एक बार अनिवार्यतः समीक्षा की हिदायत देते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने डीएम डैशबोर्ड के माध्यम से इस योजना के निरन्तर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिलाधिकारियों को डीईओ तथा बीईओ के साथ सम्पर्क योजना की स्कूलों में अधिकतम उपयोगिता की समीक्षा के निर्देश दिए हैं। सीएस ने विद्या समीक्षा केन्द्र के माध्मय से भी इस योजना का अनुश्रवण सुनिश्चित करने की हिदायत दी है। श्रीमती राधा रतूड़ी ने शिक्षा विभाग को जिला शिक्षा अधिकारियों तथा प्रिंसिपल डाइट को सम्पर्क योजना की उपयोगिता की समीक्षा तथा क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी हेतु सर्कुलर जारी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने इस योजना को शिक्षा के क्षेत्र में महाअभियान बनाने के निर्देश दिए हैं।

मैंने हिंदू भाइयों के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बवाल

■औरंगजेब वाले बयान पर अबू आजमी ने मांग ली माफी

महायुति ने विधानसभा से निलंबित करने की मांग की

सत्तारूढ़ महायुति के सदस्यों ने मंगलवार को अबू आसिम आजमी को महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित करने की मांग की। हंगामा होने के कारण सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। शिवसेना के मंत्री ने भी आजमी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। भाजपा ने मांग की कि आजमी पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाए।

मुंबई। मुंबई पुलिस ने समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आजमी के खिलाफ मुगल बादशाह औरंगजेब की तारीफ करने वाली टिप्पणी के मामले की जांच शुरू कर दी है। इस बीच उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक बार फिर आजमी पर निशाना साधा और उन्हें देशद्रोही करार दिया। एक अधिकारी ने बताया कि ठाणे पुलिस ने बाद में एफआईआर को मुंबई स्थानांतरित कर दिया, जहां मंगलवार को मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में आजमी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत एक नया मामला दर्ज किया गया।

इस बीच अबू ने अपनी टिप्पणी पर सफाई दी। उन्होंने लिखा, मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर दिखाया गया है। मैंने हिंदू भाइयों के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा है। औरंगजेब रहमतुल्लाह अलेह के बारे में मैंने वही कहा है, जो इतिहासकरों और लेखकों ने कहा है। मैंने छत्रपति शिवाजी महाराज, संभाजी महाराज या अन्य किसी भी महापुरषों के बारे में कोई अपमानजनक टिपण्णी नहीं की है, लेकिन फिर भी मेरी इस बात से कोई आहत हुआ है तो मैं अपने शब्द, अपना स्टेटमेंट वापस लेता हूं। इस बात को राजनितिक मुद्दा बनाया जा रहा है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

एक नए भारत की झलक दिख रही: सीएम

संवाददाता

■सीएम ने किया 'विकसित भारत-विकसित उत्तराखण्ड' मेगा प्रदर्शनी का शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को रूड़की के नेहरू स्टेडियम में ''विकसित भारत-विकसित उत्तराखण्ड'' मेगा प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रदर्शनी में विकसित हो रहे है भारत और उत्तराखंड की अद्भुत और जीवंत छवि को प्रस्तुत किया गया है, यह प्रदर्शनी ऐसा वातावरण प्रस्तुत कर रही है जिसमें हम सभी को एक नए भारत की झलक दिखाई दे रही है।

मुख्यमंत्री ने राज्य सभा सांसद नरेश बंसल के प्रयासों से लगाई गई मेगा प्रदर्शनी की खासियत बताते हुए कहा कि डीआरडीओ, इसरो, टीएचडीसी, और भारतीय मानक ब्यूरो के साथ ही अनेक केंद्रीय एजेंसियों द्वारा स्टॉल लगाकर विकसित भारत एवं आत्म निर्भर हो रहे भारत की उपलिब्धयों को इसमें प्रदर्शित किया गया है। विभिन्न विभागों द्वारा भी स्टॉल लगाकर अपने-अपने विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यों एवं नवाचारों को प्रदर्शनी के माध्यम से दर्शाया गया है, इसके साथ ही उत्तराखंड में सुदृढ़ हो रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं।

न्यूज डायरी

तालिबान ने लेजर हथियारों से पाकिस्तानी सेना पर बोला भीषण हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तोरखम बॉर्डर पर तनाव बढ़ गया है। सोमवार रात अफगान तालिबान ने पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर बड़ा हमला बोला है। इस हमले में कथित तौर पर आठ पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और कई सैन्य चौकियां तबाह हुई हैं। इससे पहले पाक फौज की ओर से गोलीबारी की गई थी। पाकिस्तान ने हाल में सीमा पर अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। इससे अफगानन तालिबान फौज नाराज है और उसने ये जवाबी कार्रवाई की है। इससे तोरखम बॉर्डर पर दोनों देशों के बीच युद्ध जैसे हालात पैदा हो गए हैं। ये सब तब हो रहा है, जब तोरखम बॉर्डर बीते 12 दिनों से बंद है और व्यापार रुका हुआ है। काबुल फ्रंटलाइन ने एक्स पर दावा किया है कि बीती रात को अफगान तालिबान के लड़ाके पाकिस्तान की सीमा में घुस आए। उन्होंने लेजर हथियारों का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तानी सेना पर हमला बोला, जिसका पाक फौज के पास कोई जवाब नहीं था। स्थानीय सूत्र ने बताया कि अफगान सेना को अपने इस ऑपरेशन में कोई नुकसान नहीं हुआ। दूसरी ओर बॉर्डर पर पाक सेना की अहम चौकी को तालिबान ने तबाह कर दिया और आठ पाकिस्तानी सैनिक भी मार दिए। पाकिस्तान की तरफ से अभी तक इस हमल पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन इस घटना से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की आशंका है।तोरखम सीमा पर नए निर्माण को लेकर दोनों पक्षों में खई दिनों से भारी तनातनी चल रही है। दोनों पक्षों के बीच बीते दिनों भी गोलीबारी हुई थी

चीनी नेवी को फौलादी बनाने में जुटे जिनपिंग, क्षेत्र में बढ़ा दी हलचल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। अपनी सेना के आधुनिकीकरण में जुटे चीन ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र में हथियारों को होड़ को तेज कर दिया है। बीजिंग के तेजी से बढ़ती सैन्य ताकत ने अमेरिका और उसके सहयोगियों की चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में हुए घटनाक्रमों से पता चलता है कि बीजिंग ने आक्रामक तरीके से अपनी नौसेना और हवाई क्षमता का विस्तार किया है, जो अमेरिका के लिए चुनौती बनता जा रहा है। चीन ने हाल ही में उच्च ऊंचाई वाले ँ–9 ड्रोन की तैनाती की है। इसके साथ ही वह परमाणु ऊर्जा से चलने वाले सुपरकैरियर का निर्माण करना है, जिसने क्षेत्र में चिंता बढ़ा दी है। वॉशिंगटन स्थित सेंटर फऑ स्ट्रैटजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज ने बताया है कि चीन एक ऐसी नेवी बना रहा है जो अपनी सीमाओं से कहीं आगे तक ताकत की धमक दिखाने में सक्षम हो। डब्ल्यूजेड–9 ड्रोन की तैनाती चीन की निगरानी और टोही क्षमता का विस्तार करेगी और ड्रैगन की क्षेत्र पर नजर होगी। अधिक ऊंचाई पर उड़ने वाले ये ड्रोन स्टील्थ जेट का पता लगाने और दुश्मन की हरकतों को ट्रैक करने के लिए डिजाइन किए गए सेंसर से लैस हैं। डब्ल्यूजेड–9 की तैनाती से संकेत मिलता है कि चीन ने अमेरिका से अपने तकनीकी अंतर को पाटने की कोशिश शुरू कर दी है। दक्षिणी चीन सागर में डब्ल्यूजेड–9 की मौजूदगी जापान, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस जैसे देशों के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

यूएन मानवाधिकार चीफ के बयान पर भारत ने जताई आपत्ति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जिनेवा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क द्वारा वैश्विक अपडेट में कश्मीर और मणिपुर का उल्लेख किए जाने पर, इनकी टिप्पणियों को निराधार और बेबुनियाद बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। इस अपडेट पर चिंता जताते हुए कहा है कि इसमें परिस्थितियों को मनमाने ढंग से चुना गया है। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत अरिंदम बागची ने कहा, जैसा कि भारत का नाम लिया गया है, मैं इस बात को पुरजोर ढंग से कहता हूं कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र एक स्वस्थ, जीवंत और बहुलवादी समाज बना हुआ है। अपडेट में की गई निराधार और बेबुनियाद टिप्पणियां जमीनी हकीकत से बिल्कुल जुदा हैं। बागची ने कहा, भारतीयों ने हमारे बारे में ऐसी गलत चिंताओं को बार–बार गलत साबित किया है। हम भारत एवं हमारी विविधता तथा खुलेपन की सभ्यता को बेहतर तरीके से समझने की सलाह देते हैं, जो हमारे मजबूत और अक्सर शोरगुल वाले नागरिकों को परिभाषित करती है।

अमेरिका ने सभी यूक्रेनी सैन्य सहायता पर लगाई रोक

रिपोर्ट

ट्रंप से लड़ाई जेलेंस्की को पड़ी भारी, दोनो के बीच भारी तकरार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने सैन्य सहायता पर रोक लगा दी है। उन्होंने ये रोक तब तक लगा दी है, जब तक कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस के साथ युद्ध समाप्त करने की प्रतिबद्धता नहीं दिखा देते। अधिकारियों का हवाला देते हुए, फॉक्स न्यूज ने बताया कि यह आदेश जल्द ही आने वाला है। राष्ट्रपति ट्रंप मंगलवार शाम को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए यूक्रेन के मुद्दे पर बात करेंगे। यह बात कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत और चीन से आयात पर 20 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि लागू होने के कुछ घंटों बाद कही गई है।

व्हाइट हाउस में जब ट्रंप से पूछा गया कि यूक्रेन के साथ खनिजों के संसाधनों पर अधिकार सुरक्षित करने के लिए वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए क्या करना होगा, तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपको अधिक सराहना करनी चाहिए, क्योंकि यह देश हर अच्छे–बुरे समय में उनके साथ खड़ा रहा है।

लंदन में राष्ट्रपति जेलेंस्की की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कि उन्हें डर है कि रूस के साथ युद्ध लंबे समय तक चलने वाला है, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेनी नेता सही नहीं हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि रूस युद्ध को समाप्त करना चाहता है और यूक्रेन के लोग भी ऐसा ही चाहते हैं, वे जेलेंस्की और उनके देश के बीच दूरी बनाना चाहते हैं, एक ऐसी लाइन जो उनके रिपब्लिकन समर्थकों के बीच प्रमुखता से चल रही है। ट्रंप ने कुछ सप्ताह पहले जेलेंस्की को तानाशाह कहा था और सुझाव दिया था कि वे चुनाव नहीं करवा रहे हैं क्योंकि उन्हें हारने का डर है।

ओवल ऑफिस में हुए विस्फोट के बाद, रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम, जो 2022 के रूसी आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन की लड़ाई के कट्टर समर्थक रहे हैं, लेकिन जिन्हें देश और विदेश में एक अस्थिर सहयोगी और मित्र के रूप में भी जाना जाता है ने जेलेंस्की को पद छोड़ने के लिए कहा।

इसके बाद जेलेंस्की ने कहा है कि वे केवल यूक्रेनी मतदाताओं को जवाब देते हैं। उन्होंने ग्राहम को यूक्रेनी नागरिकता का ऑफर दिया ताकि वे वास्तव में उन्हें बाहर करने के लिए मतदान कर सकें। बता दें किअमेरिका की ओर से यूक्रेन को दी गई मदद के बदले ट्रंप ने मिनरल डील की मांग की थी। क्योंकि यूक्रेन में लिथियम और दुर्लभ खनिजों का भंडार है जो अमेरिका के लिए महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी आयात पर चीन लगाएगा 15 फीसदी टैरिफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज बीजिंग। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर की शुरूआत हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार से कनाडा और मेक्सिको पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। ये टैरिफ आज से लागू हो गए हैं। इसके साथ चीन को भी अमेरिका ने तगड़ा झटका दिया है। अमेरिका ने सभी चीनी इंपोर्ट पर टैरिफ को 10 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी करने का एलान किया है।

अमेरिका के इस एलान के बाद चीन ने जवाबी कार्रवाई की है। चीन ने कई अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात पर 10 से 15 प्रतिशत का अतिरिक्त टैक्स लगाया है। इस प्रकरण में बीजिंग ने कहा कि वह अमेरिका से सोयाबीन, पोर्क और अन्य वस्तुओं के आयात पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाएगा। इसके साथ ही चीन ने एलान करते हुए कहा कि अमेरिकी चिकन, गेहूं, मक्का और कपास के आयात पर 15 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। चीनी वित्त मंत्रालय के एक बयान के अनुसार अतिरिक्त शुल्क 10 मार्च से लागू होंगे। दोनों देशों के बीच शुरू हुए इस टैरिफ वॉर के बाद संभावित व्यापार युद्ध की शुरुआत हो गई है।

बता दें कि अमेरिका ने मंगलवार से चीनी वस्तुओं पर शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया है।

नेतन्याहू ने हमास को दी खुली धमकी, फिर होगी जंग?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेलअवीव। इजरायल और हमास के बीच एक बार फिर से युद्ध के बादल मंडराने लगे हैं। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास को खुली धमकी दी है और कहा है कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो उसे अकल्पनीय परिणाम भुगतने होंगे। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल तब तक गाजा में अपना सैन्य अभियान बंद नहीं करेगा जब तक कि हमास का पूरी तरह से खात्मा नहीं हो जाता और सभी बंधकों को रिहा नहीं कर दिया जाता। नेतन्याहू ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है जब अमेरिका ने अरबों डॉलर के नए हथियार इजरायल को देने का ऐलान किया है। वहीं हमास के बंधकों के रिहा करने में आनकानी के बाद इजरायल ने गाजा में जाने वाली सहायता को रोक दिया है। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक कि पूर्ण विजय नहीं मिल जाती है।

भारत ने कसा शिकंजा तो बदल गए मोहम्मद यूनुस के तेवर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ यूनुस ने भारत से अच्छे रिश्ते की कही बात

नई दिल्ली। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पिछले दिनों भारत के खिलाफ काफी कुछ बयान दिया था। लेकिन अब अचानक उनके तेवर और सुर बदलते नजर आ रहे हैं। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश के पास भारत से अच्छे संबंध के अलावा और कोई ऑप्शन नहीं है।

एक इंटरव्यू के दौरान मोहम्मद यूनुस के बोल बदलते नजर आए और आए दिन भारत के खिलाफ हमलावर रहने वाले यूनुस ने अब कहा है कि भारत और बांग्लादेश एक दूसरे पर निर्भर हैं, इसलिए बांग्लादेश के पास भारत के साथ अच्छे संबंध के अलावा और कोई ऑप्शन नहीं है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने ये भी कहा है कि कुछ दुष्प्रचार ने दोनों देशों के बीच कुछ संघर्षों को जरूर पैदा कर दिया है। मोहम्मद यूनुस ने बीबीसी बांग्ला को दिए इंटरव्यू में उन दुष्प्रचार के स्रोतों का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ अपने संबंध को सुधारने के लिए गलतफहमियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है।

थाईलैंड में 3–4 अप्रैल को बिम्सटेक शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है। मोहम्मद यूनुस ने इस आयोजन से ठीक एक महीने पहले ये बयान दिया है। इस सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और मोहम्मद यूनुस के बीच द्विपक्षीय बैठक आयोजित हो सकती है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया ने इंटरव्यू के दौरान दोनों देशों के रिश्ते को बहुत अच्छा बताया है। उन्होंने कहा, ष्दोनों देशों के रिश्तों में कोई गिरावट नहीं है। हमारे संबंध हमेशा अच्छे रहेंगे। ये रिश्ता अभी भी अच्छा है और भविष्य में भी अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा, हमारे संबंध बहुत करीबी हैं, हम एक दूसरे पर बहुत निर्भर हैं। दोनों देश ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से इतने करीब हैं कि हम कभी अलग–थलग नहीं रह सकते हैं।

म्यांमार के रखाइन में फिर छिड़ी भीषण लड़ाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नेपीडा। म्यांमार में रखाइन राज्य के विद्रोही गुट अराकान आर्मी और जुंटा शासन के बीच एक बार फिर लड़ाई तेज हो गई है। इस बार लड़ाई का केंद्र क्यौकफ्यू टाउनशिप बना हुआ है। एए ने यहां नौसेना बेस और जुंटा की सैन्य चौकियों पर भीषण हमला किया है। चीन के कई बड़े प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में हैं। ऐसे में चीन की चिंता इन नए हमलों से बढ़ गई है। यह संघर्ष ऐसे समय हुआ है, जब जुंटा कहलाने वाले सैन्य शासकों ने चीनी सुरक्षा फर्मों को म्यांमार में काम करने की अनुमति देने वाला कानून पास किया है। यह कानून चीनी निजी सुरक्षा संगठनों को बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव प्रोजेक्ट सहित बीजिंग के हितों की रक्षा के लिए म्यांमार में तैनाती का अधिकार देता है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

जनता की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए प्रतिबद्ध

जन समर्पण दिवस

अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने सुनी जनता की समस्याएं

तहसील सभागार में आयोजित जन समर्पण दिवस

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग तहसील सभागार में जिला अधिकारी सौरभ गहरवार के दिशा–निर्देशन में अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में जन समर्पण दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने जनता की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों को उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जन समर्पण दिवस के दौरान पेंशन, जाति प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र और गोशाला निर्माण से जुड़ी समस्याएँ सामने आईं।

सौड़ मवाणा निवासी उषा देवी ने अपनी पुत्री के जाति व स्थायी निवास प्रमाण पत्र बनाए जाने की मांग उठाई।रोठिया जवाड़ी निवासी मोहनी देवी, जो एक बुजुर्ग महिला हैं और जिनके पास आजीविका का कोई साधन नहीं है, उन्होंने पेंशन स्वीकृत किए जाने की मांग की।ग्राम लौली के हरीश सिंह ने आर्थिक रूप से कमजोर होने की बात कहते हुए गोशाला निर्माण के लिए सरकारी सहायता देने की अपील की, जिससे वे अपने परिवार का भरण–पोषण कर सकें।

जन समर्पण दिवस में प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता द्वारा उठाई गई समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक दिक्कतों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जन समर्पण दिवस का उद्देश्य प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना , उनकी समस्याओं का समाधान करना है। प्रशासन इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से आम जनता की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र बिष्ट, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, तहसीलदार राम किसोर ध्यानी, जिला विकास अधिकारी अनिता पंवार, जिला उद्योग अधिकारी महेश प्रकाश सहित अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं शिकायतकर्ता उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

उत्तराखंड आंदोलन के इतिहास का पाठ्यक्रम लागू करना एक साहसिक कदम

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने मंगलवार को एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए प्रदेश की धामी सरकार की भूरी भूरी प्रशंसा की है जिसमें उन्होंने उत्तराखंड आंदोलन के इतिहास का पाठ्यक्रम लागू करने का एक साहसिक कदम उठाया है। उन्होंने कहा है कि बच्चों को यह पता चल सकेगा कि किस प्रकार हमारे पूर्वजों ने लड़ाई लड़कर और अपने प्राणों की आहुति देकर राज्य की लड़ाई लड़ी और राज्य प्राप्त किया। डंडरियाल और वारसी में उम्मीद ही नहीं विश्वास भी जताया है कि सरकार उत्तराखंड आंदोलन के पाठ्यक्रम को इसी शिक्षा सत्र में लागू कराएगी।

अवमुक्त धनराशि की प्रगति और आगामी जिला योजना के प्रस्तावों की लेकर की समीक्षा

संवाददाता चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने मंगलवार को कृषि, समाज कल्याण, सेवायोजन, रेशम, सहकारिता, सूचना, उद्योग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग को जिला योजना में अवमुक्त धनराशि की प्रगति और आगामी जिला योजना के प्रस्तावों की लेकर समीक्षा की। इस दौरान संबंधित विभागों की जिला योजना में मदवार आवंटित धनराशि पर विस्तृत चर्चा की गयी।
जिलाधिकारी ने समाज कल्याण विभाग को शिविर लगाने, वृद्धों के तीर्थाटन कराने, तथा दिव्यांगों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने, सेवायोजन विभाग को कैरियर काउंसलिंग कराने, जिला विकास अधिकारी को सभी ब्लॉक मीटिंग हॉल का सौन्दरीकरण कराने तथा खेल विभाग को शीतकालीन पर्यटक स्थलोंधकिसी प्रसिद्व ट्रैक पर मैराथन,साइक्लोथान के लिए जिला योजना में प्रस्ताव रखने के निर्देश दिए। सहायक निबंधक सहकारिता को नोन परफॉरमिंग सचिवों पर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय कर्मयोगी सेवा–भाव ट्रेनिंग का हुआ आयोजन

संवाददाता देहरादून। कैपेसिटी बिल्डिंग के माध्यम से गवर्नेंस को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन (सीबीसी) के राष्ट्रीय कर्मयोगी सेवा–भाव कार्यक्रम के तहत आज सफलतापूर्वक एक ट्रेनिंग सेशन आयोजित किया। यह पहल सरकार के व्यापक मिशन कर्मयोगी फ्रेमवर्क का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सरकारी अधिकारियों के बीच सेवा, जवाबदेही और सहयोग की गहरी भावना पैदा करके सार्वजनिक सेवा की प्रभावशीलता और जवाबदेही को बढ़ाना है। सेशन के दौरान, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी ने कहा, हम जो भी निर्णय लेते हैं वह राष्ट्रीय विकास के बड़े लक्ष्य के अनुरूप हो।

शहादत भरा इतिहास जानना बहुत जरूरी

संवाददाता देहरादून। कथाकार सुभाष पंत स्कूलों के पाठ्यक्रम में राज्य आंदोलन को शामिल करने के फैसले से बेहद खुश हैं। वह इसे अच्छा कदम बताते हैं। कहते हैं–शहादत भरे इतिहास की जानकारी हमारे बच्चों को होनी ही चाहिए। उन्हें अपनी विभूतियों के बारे में भी जानना चाहिए।

राज्य सरकार के उत्तराखंड भाषा संस्थान ने एक दिन पहले ही सुभाष पंत को उत्तराखंड साहित्य भूषण सम्मान–2024 से नवाजा है। यह संयोग है कि एक दिन पहले ही राज्य सरकार ने उत्तराखंड आंदोलन को स्कूल के पाठ्यक्रम में शामिल करने के फैसले पर मुहर लगाई है। पंत इस संयोग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। कहते हैं–यह निर्णय वास्तव में बहुत अच्छा है। वह साहित्यकारों के सम्मान और उनके कल्याण के लिए की गई घोषणाओं पर भी खुश हैं। कहते हैं–किसी भी क्षेत्र की पहचान साहित्यकारों से ही होती है। अपनी बात के समर्थन में वह रवींद्रनाथ टैगोर और बंगाल का जिक्र भी करते हैं। कहते हैं–साहित्यकारों की आर्थिक मजबूती पर भी ध्यान जा रहा है, यह अच्छी बात है।

सुभाष पंत की कृतियों की लंबी फेहरिस्त है। एक रात का फासला, छोटा हुआ आदमी, एक का पहाड़ा, पहाड़ चोर, मुन्नी बाई की प्रार्थना, पहाड़ की सुबह, सुबह का भूला, सिंगिंग बेल, इक्कीसवीं सदी की एक दिलचस्प दौड़ जैसी कृतियों ने उन्हें विशेष पहचान दिलाई है। एक बातचीत में उन्होंने कहा–कैसा भी दौर रहा हो, सृजन कभी रूकता नहीं है। यात्रा हमेशा आगे ही बढ़ती है, पीछे नहीं लौटती। वह कहते हैं–नए साहित्यकारों को अब मंच मिल रहा है। यह शुभ संकेत हैं।

सड़क दुर्घटनाओं की रोजाना करें समीक्षाः जिलाधिकारी

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने एनआईसी सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेते हुए जनपद के अंतर्गत सभी सड़क दुर्घटनाओं की सूचना अनिवार्य रूप से आई–रेड पर अपलोड करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित सभी लंबित प्रकरणों की मजिस्ट्रीयल जांच आख्या आगामी 15 दिनों में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए सड़क दुर्घटनाओं की दैनिक आधार पर समीक्षा करने, तत्काल जांच पूरी कर घायल अथवा मृतक आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान करें। बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए जनपद के अंतर्गत चिहिन्त स्थानों पर क्रैश बैरियर, पहाड़ियों पर जाले, लोहे के गार्डर, सड़क चौड़ीकरण आदि कार्य करने की बात कही गई।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लिए स्वीकृत की धनराशि

संवाददाता

चालू वित्तीय वर्ष 2024–25 में 56.30 लाख धनराशि की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य योजना के अन्तर्गत वर्ष 2024–25 में जनपद उत्तरकाशी के विधानसभा क्षेत्र यमुनोत्री के विकासखण्ड़ नौगांव में क्वालगांव झुमराड़ा मोटर मार्ग के अवशेष भाग में सुदृढीकरण एवं डामरीकरण कार्य हेतु 329.71 लाख, विधानसभा क्षेत्र पुरोला के विकासखण्ड नौगांव सयूरी मोटर मार्ग के अवशेष भाग में सुदृढीकरण एवं डामरीकरण कार्य हेतु 469.53 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री द्वारा अल्मोड़ा में एनएच 109 के किमी 73 से विकास भवन होते हुए न्यू कलेक्ट्रट अल्मोड़ा एवं मेडिकल कालेज अल्मोड़ा तक मोटर मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुधारीकरण के कार्य हेतु 830.52 लाख, जनपद नैनीताल के हल्द्वानी स्थित बनभूलपुरा से हटाये गये अवैध अतिक्रमण की भूमि पर थाना बनभूलपुरा का निर्माण किये जाने हेतु 390.16 लाख, चम्पावत में रिटेनिंगवाल व आन्तरिक सडक के निर्माण हेतु कुल 593.39 लाख, जनपद चमोली की गोपेश्वर शाखा के अन्तर्गत मायापुर पेयजल योजना में आरबीएफ नलकूप निर्माण एवं तत्संबंधी कार्यों की योजना हेतु 415.37 लाख, जनपद देहरादून के नया गांव हाथीबड़कला पेयजल योजना हेतु 619.66 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री धामी द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के तहत वर्ष 2024–25 में विधानसभा क्षेत्र रुद्रपुर के ग्रामीण क्षेत्र में हरिचांद गुरूचांद बंग विशाल सामुदायिक भवन का निर्माण किये जाने हेतु 41.514 लाख, विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ की ग्राम पंचायत देवताल गांव सिबलो का चटकेश्वर महादेव मेला स्थल, प्राचीन कालीन शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण हेतु 103.50 लाख,

मुख्यमंत्री ने देवीधुरा जिला चम्पावत मुख्य बाजार से महाविद्यालय को जाने वाली सड़क मार्ग 500 मीटर के हिस्से में इंटर लॉकिंग टाईल्स लगवाये जाने हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2024–25 में 56. 30 लाख धनराशि की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

पीएम 6 मार्च को हर्षिल में उत्तराखण्ड शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

संवाददाता चमोली। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 06 मार्च को उत्तरकाशी में मां गंगा के शीतकालीन प्रवास मुखवा एवं हर्षिल में उत्तराखण्ड शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। इस कार्यक्रम में समस्त जनपदों की एक उच्च स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जाना है। जिसमें प्रत्येक जनपद के स्टॉल में जनपदों की विंटर डेस्टिनेशन, प्रमुख पर्यटक स्थल, स्थानीय उत्पाद, शिल्प कला व स्टार्ट अप आदि शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम से राज्य के सभी पर्यटक स्थलों का बृहद स्तर पर प्रचार प्रसार होगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का जनपद मुख्यालयों, तहसीलों एवं ब्लॉकों में लाइव प्रसारण किया जाएगा।

संवैधानिक जरूरत

परिसीमन का आधार क्षेत्र विशेष की जनसंख्या को बनाया जाता रहा है, इसलिए दक्षिणी राज्यों को डर है कि इसके परिणास्वरूप राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका और अहमियत कम हो जाएगी। स्टालिन ने कहा भी है कि तमिलनाडु को कम से कम आठ सीटों का नुकसान होगा।

राधा यादव।।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने दक्षिणी राज्यों के सिर पर लटकती डी–लिमिटेशन की तलवार के मसले पर सर्वदलीय बैठक बुलाकर यह साफ कर दिया है कि इस मसले को अब और टालना संभव नहीं होगा। यह भी स्पष्ट है कि इस पहल के जरिए उन्होंने सारे दक्षिणी राज्यों की चिंता को स्वर दिया है।

डी–लिमिटेशन या परिसीमन दरअसल एक संवैधानिक जरूरत है जिसका मकसद यह सुनिश्चित करना है संसद में जनता के प्रतिनिधित्व और आबादी में हो रही बढ़ोतरी का अनुपात ठीक बना रहे। संवैधानिक संशोधन के जरिए पहले 1976 में 25 वर्षों के लिए और फिर 2002 में साल 2026 तक के लिए इसे टाल दिया गया। 2011 के बाद 2021 में जो जनगणना होनी थी, कोविड के चलते वह भी टल गई। हालांकि सरकार ने अभी कोई तारीख नहीं घोषित की है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले साल तक जनगणना का काम पूरा हो जाने के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होगी।

चूंकि परिसीमन का आधार क्षेत्र विशेष की जनसंख्या को बनाया जाता रहा है, इसलिए दक्षिणी राज्यों को डर है कि इसके परिणास्वरूप राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका और अहमियत कम हो जाएगी। उनका डर निराधार नहीं कहा जा सकता क्योंकि जनसंख्या के मामले में दक्षिणी राज्यों के मुकाबले उत्तर भारत कहीं आगे है।

आजादी के बाद जहां साउथ के राज्यों ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए वहीं परिवार कल्याण योजनाओं के जरिए आबादी की बढ़ोतरी को भी काबू किया। 2011 की जनगणना के मुताबिक जहां उत्तर के सिर्फ दो राज्य – यूपी और बिहार– देश की कुल आबादी का 25 फीसदी थे वहीं साउथ के पांचों राज्य मिलाकर महज 21 फीसदी। ताजा सरकारी अनुमानों के मुताबिक यह प्रतिशत क्रमशरू 26 और 19.5 हो चुका है। जाहिर है, आबादी के आधार पर परिसीमन लोकसभा में दक्षिणी राज्यों के सांसदों की संख्या कम करेगा। स्टालिन ने कहा भी है कि तमिलनाडु को कम से कम आठ सीटों का नुकसान होगा।

यह भी एक तथ्य है कि दक्षिण के राज्य देश के कॉरपोरेट और इनकम टैक्स में एक चौथाई का योगदान करते हैं जबकि यूपी और बिहार का योगदान महज 3 फीसदी बैठता है। इस मसले को कैसे हल किया जाता है, यह देखना होगा लेकिन इस दलील में दम है कि देश के किसी भी हिस्से को उसके अच्छे प्रदर्शन का नुकसान नहीं होने देना चाहिए।

पूजा एवं साधना

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। पारद शिवलिंग की यह पूजा एवं साधना, तंत्र साधना ही मानी जाती है। आप कहीं से भी शुद्घ, सिद्घ पारद शिवलिंग प्राप्त कर उस पर महाशिवरात्रि के दिन नियमित रूप से बिल्वपत्र चढावे तथा भगवान शिव के पंचाक्षर मंत्र नमरू शिवायरू का 11 माला जाप कर दुग्ध से अभिषेक करे। आश्चर्यजनक फल उसी क्षण से साधक को मिलने लग जायेंगे। प्राण प्रतिष्ठा व 16 संस्कार युक्त पारद शिवलिंग होना चाहिये। शुद्घ पारे से तांत्रिक साधना द्वारा पारद शिवलिंग का निर्माण किया जा सकता है । भगवान शिव के दो रूप तत्काल सिद्घि प्रदान करने वाले है। ये रूप है पारद शिवलिंग और जलमग्न शिवलिंग। काले पत्थर में जल का होना और उसके आधार में उपस्थित शिवलिंग महान फल प्रदान करने वाला होता है। अस्तु मेरा मुख्य बिन्दु पारद शिवलिंग है फिर भी जलमग्न शिवलिंग के दर्शन का महत्व धर्म शास्त्रों में कम नहीं है।

संपादकीय

राजनीतिक दबाव

आमतौर पर जाना जाता है, मजबूत प्रशासनिक और राजनीतिक दबाव से पैरोल प्रशासन की प्रभावशीलता बाधित हुई है। कार्यक्रम के लक्ष्य से नियमित रूप से समझौता किया जाता है और कई अनुचित अपराधियों को प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में पैरोल दी जाती है। पैरोल के सम्बंध में, एक अच्छी तरह से परिभाषित न्यायिक नीति आवश्यक है और किए गए कार्यकारी कर्तव्यों की अदालतों द्वारा समीक्षा की जानी चाहिए। हमारे कानून निर्माताओं के लिए हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक बदलाव करने का समय आ गया है। इन बदलावों में कैदियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रगतिशील तरीके से पर्यवेक्षित रिहाई प्रणाली को लागू करने के लिए मजबूत दिशा–निर्देश बनाना, लगातार पैरोल कानून बनाकर यह साबित करना कि यह पुनर्वास के लिए एक प्रभावी उपकरण है और भारत में पैरोल के दुरुपयोग को रोकने के लिए जाँच और संतुलन स्थापित करना शामिल होना चाहिए। सरकार को जेलों में भीड़भाड़ के बारे में चिंतित होना चाहिए और उन्हें तुरंत इस पर गौर करना चाहिए। भयानक अपराधों के लिए पैरोल को सीमित करते समय न्याय, निवारण और पुनर्वास सभी पर विचार किया जाना चाहिए। सख्त न्यायिक निगरानी के साथ पारदर्शी, योग्यता–आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके व्यापक प्रतिबंधों के बिना सार्वजनिक सुरक्षा और नैतिक निष्पक्षता की गारंटी दी जा सकती है। पैरोल एक ऐसी चीज है जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती, जैसा कि स्पष्ट है।

हाल के वर्षों में, इस विचार में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है क्योंकि अमीर और शक्तिशाली वर्ग ने जेल में समय बिताने से बचने के लिए पैरोल का उपयोग करना शुरू कर दिया है।

पैरोल का उपयोग

डॉ. सत्यवान सौरभ।।

कैदियों की समय से पहले रिहाई से समाज को खघ्तरा हो सकता है, खासकर तब जब वे बार–बार अपराध करते हों। हाल के वर्षों में, इस विचार में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है क्योंकि अमीर और शक्तिशाली वर्ग ने जेल में समय बिताने से बचने के लिए पैरोल का उपयोग करना शुरू कर दिया है। दूसरी ओर, लाखों अन्य कैदी, जिनके पैरोल के अनुरोधों को अनदेखा किया जाता है, उनके पास प्रक्रिया का लाभ उठाने के लिए संसाधनों की कमी होती है, या उन्हें कमजोर आधारों के आधार पर गलत तरीके से लाभ से वंचित किया जाता है क्योंकि वे गरीब और शक्तिहीन हैं।

पैरोल सुधार और पुनः एकीकरण पर आधारित है, लेकिन जब इसका उपयोग गंभीर अपराधों के लिए किया जाता है, तो यह नैतिक और कानूनी दुविधाएँ पैदा करता है। मानवाधिकारों और पुनर्वास के सिद्धांतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए, भले ही न्याय दंड और रोकथाम की मांग करता हो। आपराधिक न्याय प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण कदम पैरोल है। यह कैदियों को समाज में पुनः एकीकृत करने में सहायता करने के लिए दिया जाने वाला एक प्रकार का विचार है। यह कैदी की सामाजिक पुनर्प्राप्ति के लिए एक उपकरण से अधिक कुछ

नहीं है। हालाँकि, हाल के वर्षों में, इस विचार में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है क्योंकि अमीर और शक्तिशाली वर्ग ने जेल में समय बिताने से बचने के लिए पैरोल का उपयोग करना शुरू कर दिया है।

दूसरी ओर, लाखों अन्य कैदी, जिनके पैरोल के अनुरोधों को अनदेखा किया जाता है, उनके पास प्रक्रिया का लाभ उठाने के लिए संसाधनों की कमी होती है, या उन्हें कमजोर आधारों के आधार पर गलत तरीके से लाभ से वंचित किया जाता है क्योंकि वे गरीब और शक्तिहीन हैं। चूँकि हमारी जेलें अहिंसक अपराधियों से सचमुच भरी हुई हैं, इसलिए पैरोल से जेल में बंद लोगों को अपने प्रियजनों के साथ अपनी सजा के बचे हुए हिस्से को पूरा करने का मौका मिलता है, जबकि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की उन पर कड़ी नजर रहती है। यह हर दिन लाखों रुपयों की टैक्स बचत करता है और पूरे समाज के लिए एक बेहतरीन व्यवस्था है। बहुत कम बार आप किसी हिंसक अपराधी के बारे में सुनते हैं जो पैरोल पर रिहा हुआ और फिर एक और हिंसक अपराध करने लगा।

ज्यादातर हिंसक अपराधी किसी भी मामले में अपनी सजा का कम से कम 85 प्रतिशत हिस्सा पूरा करते हैं। लेकिन इसमें कोई दोराय नहीं है कि पैरोल से पीड़ितों और उनके परिवारों की न्याय की भावना कमजोर हो सकती है। आतंकवाद, बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों के खिलाफ मजबूत रोकथाम होनी चाहिए। रोकथाम बनाए रखने के लिए, 2012 के निर्भया मामले के दोषियों को पैरोल नहीं दी गई। कैदियों की समय से पहले रिहाई से समाज को खतरा हो सकता है, खासकर तब जब वे बार–बार अपराध करते हों। बार–बार अपराध करने के कारण, 2013 के शक्ति मिल्स सामूहिक बलात्कार मामले के दोषियों को पैरोल नहीं दी गई।

राजनीतिक प्रभाव से न्याय में विश्वास को नुकसान हो सकता है जिसके परिणामस्वरूप पैरोल की मंजूरी मिलती है जो वारंटेड नहीं होती है। भारतीय न्यायालयों के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत पैरोल पर रिहा किए गए लोगों को संतानोत्पत्ति और विवाह के अपने अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति है। हालाँकि, चूँकि विवाह के अधिकार को कानून द्वारा मान्यता नहीं दी गई है, इसलिए इस आधार पर पैरोल देने से समलैंगिक कैदियों के समानता के अधिकार से समझौता होता है।

अष्टयोग-5050

5		2	4	1		
	33		23		33	6
3	7	6			4	5
	42		29		25	
		5		3	2	1
6	37	7	38		33	
	2		4			7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गाढ़े काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5049 का हल

6	3	2	4	5	7	1
2	30	7	31	4	34	2
1	5	4	3	2	7	6
5	28	6	31	6	39	3
4	2	1	6	3	5	7
3	30	5	32	7	34	5
7	5	3	6	1	2	4

Jagrutidaan.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

समानता और समावेशिता

मोहन। सभी कैदियों के लिए समानता और समावेशिता की गारंटी देने के लिए, न्यायालय अनुच्छेद 21 के तहत अंतरंगता के अधिक सामान्य अधिकार से पैरोल को जोड़ सकते हैं। नेल्सन मंडेला नियम (2015) , कैदियों के उपचार के लिए संयुक्त राष्ट्र मानक न्यूनतम नियम, का एक प्रमुख घटक सुधार है। पैरोल एक अधिकार है, न कि विशेषाधिकार, जैसा कि न्यायमूर्ति कृष्ण अय्यर ने कई फैसलों में जोर दिया है। सामान्य प्रतिबंध होने के बजाय, व्यवहार मूल्यांकन के आधार पर पैरोल दी जानी चाहिए। आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों के पुनर्वास के परिणामस्वरूप 2023 में महाराष्ट्र में पुनरावृत्ति में कमी आई। पैरोल अनुरोधों का मूल्यांकन न्यायालयों द्वारा पहले से ही योग्यता के आधार पर किया जाता है, जिससे सुरक्षा और न्याय की गारंटी मिलती है। हरियाणा राज्य बनाम जय सिंह (2003) में, सर्वोच्च न्यायालय ने पुष्टि की कि पैरोल निष्पक्ष मानकों के अनुसार दी जानी चाहिए। अनुच्छेद 21 (सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार) का उल्लंघन पैरोल की संभावना के बिना जेल में आजीवन कारावास द्वारा किया जा सकता है, यदि सुधार प्रदर्शित किया जाता है। श्रीहरन (2015) के अनुसार, किसी को पैरोल से पूरी तरह से वंचित करना असंवैधानिक है।

अनु मलिक की छोटी बेटी अदा मलिक की के–पॉप स्टार लिसा से हो रही तुलना

बॉलीवुड सिंगर अनु मलिक हाल ही में बॉलीवुड फिल्ममेकर आशुतोष गोवारिकर के बेटे कोणार्क गोवारिकर की शादी के रिसेप्शन में अपने परिवार के साथ आए। फैंस का ध्यान सिंगर की दोनों बेटियों की ओर गया, जिसके बारे में इंटरनेट पर चर्चा हो रही है। जहां बड़ी बेटी की सादगी की तारीफ हो रही है, वहीं छोटी बेटी की के–पॉप स्टार लिसा जैसी दिखने की बात कही जा रही है। एक पपाराजी ने अनु मलिक और उनकी बेटी अदा मलिक का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे आशुतोष के बेटे की शादी के रिसेप्शन में कैमरे के सामने पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। बड़ी बेटी साड़ी में हैं जबकि छोटी अदा ब्लैक और गोल्ड एम्बेलिश्ड कुर्ते और ब्लैक लॉन्ग स्कर्ट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। माथे पर बैंग्स और विंग्ड आईलाइनर के साथ उनके छोटे बाल देख इंटरनेट पर लोग के पोप स्टार की लिसा से उनकी तुलना करने लगे। एक कमेंट में लिखा था– उसका लुक और मेकअप लिसा जैसा ही है। दूसरे ने कमेंट किया– अगर आप जल्दी से देखेंगे, तो आपको लगेगा कि यह ब्लैकपिंक की लिसा है। मुझे लगा कि वह ब्लैकपिंक की लिसा है। एक इंटरनेट यूजर ने कहा– मुझे लगा कि यह वाकई इंडिया में मेरी प्यारी पसंदीदा लिसा है। कुछ लोगों ने अनु मलिक की बड़ी बेटी की भी खूब तारीफ की। अदा अनु मलिक और अंजू मलिक की छोटी बेटी हैं और पेशे से एक फैशन डिजाइनर हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क के पार्सन्स स्कूल ऑफ डिजाइन से अपनी पढ़ाई पूरी की है।

बाहुबली के कलेक्शन का रेकॉर्ड तोड़ देगी प्रभास की स्पिरिट

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल से जबरदस्त सफलता हासिल करने वाले डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा इन दिनों चर्चा में हैं। वो अपकमिंग मूवी स्पिरिट पर काम कर रहे हैं, जिसमें प्रभास बतौर हीरो नजर आएंगे। फैंस का अनुमान है कि ये फिल्म श्बाहुबलीश के रेकॉर्ड तोड़ेगी। अब इस पर संदीप ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। बता दें कि एसएस राजामौली की फिल्म ने 2 हजार करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। स्पिरिट के अलावा प्रभास के पास कई अन्य प्रोजेक्ट भी हैं। वो इस समय हनु राघवपुडी निर्देशित फौजी पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा स्पिरिट की शूटिंग शुरू करने से पहले उन्हें मारुति की द राजा साब भी पूरी करनी है। संदीप रेड्डी वांगा ने शूटिंग शुरू होने से पहले प्रभास से एक खास रिक्वेस्ट की है। उन्होंने एक्टर से स्पिरिट के लिए पर्याप्त समय देने के लिए कहा है, ताकि शूटिंग बिना किसी ब्रेक के एक बार में पूरी हो सके और फिल्म समय पर पूरी हो सके। इसके अलावा निर्देशक यह भी नहीं चाहते कि स्पिरिट की शूटिंग के दौरान प्रभास कोई और प्रोजेक्ट लें।

किराए के घर में कील ठोकने के लिए भी परमिशन लेनी पड़ती थीः आदर्श गौरव

संघर्ष का दौर यकीनन कलाकार को निखारता है। दूसरे कई फिल्मी सितारों की तरह माय नेम इज खान, मॉम, द वाइट टाइगर, खो गए हम कहां में काम कर चुके एक्टर आदर्श गौरव को संघर्ष करना पड़ा। अपनी ताजातरीन फिल्म सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव में नासिर शेख जैसे वास्तविक किरदार से लोगों का दिल जीतने वाले आदर्श यहां अपने संघर्ष के दिनों को याद करते है। आदर्श गौरव के बचपन का एक हिस्सा जमशेदपुर में भी बीता है। पिता के तबादले के बाद वे मुंबई आ गए थे। संगीत की ट्रेनिंग ले चुके आदर्श को पहचान मिली, प्रियंका चोपड़ा और राजकुमार राव अभिनीत वाइट टाइगर से। हालांकि इस फिल्म के ऑडिशन से पहले वे महीनों तक खाली बैठे रहे। वे कहते हैं, मेरे पास पांच महीने तक काम नहीं था। फिर एक दिन मेरे पास वाइट टाइगर के ऑडिशन के लिए कॉल आई और बहुत कुछ बदल गया। गौरव का कहना है कि उनका जो सबसे बड़ा संघर्ष था, वो उनकी ताकत बन गया। वे कहते हैं, श्हम जब मुंबई आए, तो पापा के क्वार्टर के भरोसे आए। मेरे पापा सेंट्रल बैंक में काम करते थे। उन्हें बैंक की तरफ से वो क्वार्टर मिला हुआ था। उस वक्त मैं तेरह साल का रहा होऊंगा, मगर फिर दो साल में हमें वो घर खाली करना पड़ा, क्योंकि पापा का ट्रांसफर छत्तीसगढ़ हो गया।

तारक मेहता शो को रिस्पेक्ट के साथ कर देना चाहिए बंद

कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा को इस वक्त काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में इन दिनों टप्पु और सोनू के सेपरेशन का ट्रैक चल रहा है, जिसमें दोनों के फैमिली वाले अलग–अलग जगह उनकी शादी करवा रहे हैं। बरसों से लोगों को गुदगुदाने वाले इस शो की बढ़ती कहानी ने लोगों को काफी मायूस किया है और अब वे भड़क उठे हैं। लोगों ने तो साफ–साफ कहना शुरू दिया है कि अच्छे–भले शो का कबाड़ कर दिया है मेकर्स ने।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दर्शकों का हुआ दिमाग खराब

टप्पू (नीतीश भलूनी) और सोनू (खुशी माली) को लेकर शो में चल रहे लेटेस्ट ट्रैक को लेकर दर्शक अब शो मेकर्स की आलोचना कर रहे हैं। श्तारक मेहता का उल्टा चश्माश की मौजूदा स्टोरीलाइन में सोनू की किसी और से सगाई की बात हो रही है और ये सुनकर टप्पू परेशान हो जाता है।

पोपटलाल की शादी तो करवा नहीं पाए

जब वह अपने मंगेतर के साथ कार में बाहर निकलती है तो टप्पू उसका पीछा करता है। अब लोगों को यही ट्रैक पसंद नहीं आ रहा और सोशल मीडिया पर काफी उन्हें सुना रहे हैं। एक यूजर ने इस ट्रैक का मजाक उड़ाते हुए लिखा, पोपटलाल की शादी तो करवा नहीं पाए, ये बच्चों की शादी करवा रहे हैं। एक अन्य यूजर ने पोस्ट किया, श्ये सीरियल बना था सास बहू की टॉक्सिसिटी से बचने के लिए लेकिन यहां भी वही चालू हो गया है।

यूजर्स बोले- इससे अच्छा अनुपमा देख लो

एक और ने कहा, अब यही सब बाकी रह गया था देखने के लिए। तारक मेहता का उल्टा चश्मा तो कबका खत्म हो चुका है, अब ये लोग पैसा बना रहे हैं। एक अन्य यूजर ने रिक्वेस्ट किया कि यूजर्स कॉमेडी शो की जगह अनुपमा देखें। इससे अच्छा अनुपमा देख लो, अब कुछ नहीं रहा इस शो में देखने जैसा।

इस शो को रिस्पेक्ट के साथ बंद कर देना चाहिए

एक सुर में लोगों ने यही कहा है, लगता ही नहीं ये कॉमेडी शो हुआ करता था। पहले जैसा मजा नहीं रहा अब, पहले जैसा बन नहीं पाएगा। बता दें कि ये शो लंबे समय से नेगेटिव वजहों को लेकर चर्चा में रहा है।इस शो को छोड़कर निकल चुके कई कलाकारों ने निर्माता असित मोदी पर काम को वेकर खराब माहौल और बकाया भुगतान न करने का आरोप लगाया है। लोगों ने कहा है– अब इस शो को रिस्पेक्ट और तमीज के साथ बंद कर देना चाहिए, वर्ना जबरदस्ती बंद करना पड़ेगा।

रणवीर अल्लाहबादिया को राहत, शुरू कर सकते हैं पॉडकास्ट

सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर अल्लाहबादिया को द रणवीर शो फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी, बशर्ते कि वह अपने कंटेंट में शालीनता बनाए रखें। एक कंट्रोवर्सी के बाद शो पर रोक लगाई गई थी, पर अब शालीनता का वादा करने पर उन्हें फिर से प्रसारण करने की अनुमति मिल गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मौलिक अधिकार आसानी से नहीं मिलते, कुछ प्रतिबंध हैं। फिलहाल याचिकाकर्ताओं को कोई भी शो प्रसारित करने से रोक दिया गया है। याचिकाकर्ता द्वारा यह वचन दिए जाने के अधीन कि उनके पॉडकास्ट शो नैतिकता और शालीनता के मानकों को बनाए रखेंगे ताकि किसी भी आयु वर्ग के दर्शक देख सकें, याचिकाकर्ता को रणवीर शो फिर से शुरू करने की अनुमति है।

रणवीर अल्लाहबादिया को राहत

समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में पॉडकास्टर अल्लाहबादिया के आने के बाद से ही विवाद खड़ा हो गया था। रणवीर अल्लाहबादिया ने एक कंटेस्टेंट से पूछा था, श्क्या आप अपने माता–पिता को संबंध बनाते देखना पसंद करेंगे... या एक बार इसमें शामिल होना चाहेंगे।श उनकी इस बात से आक्रोश फैल गया, जिसके कारण अल्लाहबादिया, होस्ट समय रैना, कॉमेडियन अपूर्वा मखीजा और बाकियों के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज की गई।

ये अश्लील नहीं विकृत था

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्होंने से शो देखा और यह अश्लील नहीं, बल्कि विकृत था। मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, मैंने शो देखा और यह अश्लील नहीं, बल्कि विकृत है। ह्यूमर एक चीज है, अश्लीलता एक चीज है और विकृतता दूसरी चीज है। उन्हें कुछ समय के लिए चुप रहने दें।

लोगों के सुझाव के लिए पब्लिक डोमेन

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे समाज के नैतिक मानकों के तहत कार्यक्रमों के प्रसारण को रोकने के लिए कुछ चीजों की जरूरत हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से विचार–विमर्श करने और कुछ उपाय सुझाने को कहा जो भाषण और अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार को प्रभावित नहीं करेंगे, बल्कि यह 19(4) के दायरे में होंगे। अदालत ने कहा, श्इस संबंध में कोई भी मसौदा विनियामक उपाय पब्लिक डोमेन में रखा जा सकता है ताकि इस संबंध में कोई भी न्यायिक उपाय करने से पहले सुझाव लिए जा सकें।

बाथरूम में रखे हो सकते हैं ये टॉक्सिक आइटम, फेंक दे बाहर

कई बार हम बीमार पड़ते रहते हैं, मगर इसकी वजह समझ नहीं पाते। डॉक्टर के पास जाकर भी किसी खास कारण का पता नहीं चल पाता है। ऐसे में आपकी कुछ सामान्य आदत या गलती वजह बन सकती है। जैसे बाथरूम में रखे 3 गलत आइटम का इस्तेमाल करना।

खुद को हेल्दी रखना बहुत सावधानी का काम है। पूरे दिन में हम कई सारे काम करते हैं, कई सारी चीजों का इस्तेमाल करते हैं। इनका शरीर पर अच्छा और बुरा दोनों असर हो सकता है। कई बार कुछ चीजें हेल्दी दिखती हैं, मगर नुकसानदायक हो सकती हैं। इसलिए अपनी लाइफस्टाइल और डेली हैबिट पर गौर देना बहुत जरूरी है। जाने अनजाने में कई गलतियां करने लगते हैं, जिनसे बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी ही एक गलती के बारे में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. सौरभ सेठी ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि बाथरूम में रखे 3 टॉक्सिक आइटम को तुरंत बाहर कर देना चाहिए।

3 महीने से ज्यादा पुराना टूथब्रश

डॉक्टर ने कहा, हालिया शोध के मुताबिक 75 प्रतिशत लोग टूथब्रश को रिकमेंडेट टाइम से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। एक्सपर्ट की सलाह है कि आपको एक टूथब्रश ज्यादा से ज्यादा 3 महीने इस्तेमाल करना चाहिए। 3 महीने बाद टूथब्रश सफाई करनी की 30 प्रतिशत क्षमता खो देते हैं और इसके ऊपर बैक्टीरिया जमने लगते हैं।

कम धार वाले रेजर ब्लेड

जिन रेजर ब्लेड की धार कम हो गई है उन्हें बाहर फेंक दें। डॉक्टर के मुताबिक इनके इस्तेमाल से स्किन इर्रिटेशन होने का खतरा 10 गुना हो जाता है। 5 से 7 बार इस्तेमाल करने के बाद इसे फेंक देना चाहिए। इस तरह स्किन डैमेज और इंफेक्शन से बच सकते हैं।

एंटी माइक्रोबियल माउथवाश

मुंह के बैक्टीरिया मारने के लिए लोग एंटी माइक्रोबियल माउथवाश का उपयोग करते हैं। स्टडी बताती हैं कि एंटी माइक्रोबियल माउथवाश मुंह में मौजूद फायदेमंद बैक्टीरिया को भी नष्ट कर सकता है। इससे गट में मौजूद बैक्टीरिया की संख्या बिगड़ सकती है।

हेल्दी ओरल टिप्स

दांत और मसूड़ों को हेल्दी रखने के लिए कई सारी चीजें कर सकते हैं। दिन में दो बार दांत साफ करें और दांतों के बीच की सफाई का भी ध्यान रखें। शुगर, कैफीन, एल्कोहॉल को कम कर दें। साथ ही रेगुलर डेंटल चेकअप करवाएं और तंबाकू से दूर रहें।

51 में दिखते हैं फिट, क्या खाते हैं, क्या है वर्कआउट?

एड्रियन ब्रॉडी का पूरा नाम एड्रियन निकोलस ब्रॉडी है, जो एक अमेरिकी एक्टर हैं। उन्हें रोमन पोलांस्की के वॉर ड्रामा द पियानिस्ट में व्लाडिसलाव स्जपिलमैन के किरदार के लिए जाना जाता है। इस किरदार के लिए उन्होंने29 साल की उम्र में बेस्ट एक्टर का एकेडमी अवॉर्ड जीता। इसी के साथ वह इस कैटेगरी में सबसे कम उम्र के विजेता बन गए। एड्रियन ब्रॉडी न केवल अपनी दमदार एक्टिंग बल्कि अपनी शानदार फिटनेस के लिए भी फैंस के फेवरेट हैं। उन्होंने 51 की उम्र में भी खुद को बेहद फिट और चार्मिंग रखा हुआ है। साथ ही वह जिस तरह हर एक रोल के लिए बॉडी का ट्रांसफॉर्मेशन करते हैं, वो फैंस को इंप्रेस करने के लिए काफी होता है। आइए जानते हैं आखिर उनकी डाइट क्या है, जिससे वह इतने फिट रहते हैं। ऑस्कर विनर एड्रियन ब्रॉडी ने कुछ समय पहले अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की थी, जिसमें उन्होंने इंग्लिश ब्रेकफास्ट करते देखा गया था। इंग्लिश ब्रेकफास्ट जिसमें आम तौर पर बेकन, अंडे, सॉसेज, टमाटर, मशरूम, बेक्ड बीन्स और टोस्ट शामिल होते हैं। इसे फुल इंग्लिश या फ्राई अप के नाम से भी जाना जाता है। बात करें एड्रियन ब्रॉडी के वर्कआउट रूटीन की तो रिपोर्ट के मुताबिक वे दौड़ना, बेसिक वेट ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज करते हैं। दौड़ने के कई फायदे शरीर को मिल सकते हैं। इससे आपके हड्डियों में मजबूती आती है, हार्ट हेल्दी रहता है, वजन कम होता है और दिमाग की कार्यक्षमता बेहतर होती है।

एनीमिया से बचने के लिए आयरन नहीं है काफी, न्यूट्रिएंट से भरपूर चीजें

खून शरीर के लिए बहुत आवश्यक है, इसमें बताने की जरूरत नहीं है। इसकी कमी से सामान्य काम करना भी बहुत मुश्किल हो जाता है। एनीमिया की बीमारी में शरीर के अंदर खून की कमी हो जाती है। इसकी वजह से थकान रहना, कमजोरी, सांस फूलना, स्किन पीली पड़ना और आंखें पीली हो सकती हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक इस स्थिति में रेड ब्लड सेल्स या हीमोग्लोबिन सांद्रता में कमी आ जाती है। एनीमिया के कई कारण हो सकते हैं। अधिकतर लोगों को लगता है कि आयरन कम होने से एनीमिया होता है, लेकिन ऐसा नहीं है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक एनीमिया से बचने के लिए आयरन, फोलेट, विटामिन ए और विटामिन बी12 से भरपूर फूड्स खाने चाहिए। विटामिन सी सीधे तौर पर एनीमिया से नहीं बचाता है। ना ही यह रेड ब्लड सेल्स और हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए जरूरी है। मगर शरीर को इसकी जरूरत आयरन अवशोषित करने के लिए होती है। इसलिए आयरन फूड के साथ विटामिन सी फूड खाने चाहिए। हर फूड में सारे विटामिन–मिनरल नहीं होते हैं, मगर उनका सेवन काफी हेल्दी होता है। ऐसे फूड्स में अलग से जरूरी विटामिन–मिनरल डाले जाते हैं जो बहुत कम चीजों के अंदर होते हैं।

कैंसर रिकवरी में हिना खान का रोजा, दिखाया सहरी–इफ्तारी में क्या खाया

रमजान का पाक महीना शुरू हो गया है। मुस्लिम समुदाय पूरी अकीदत के साथ इस दौरान रोजा रखता है। रोजा रखना आसान नहीं है, क्योंकि आपको सुबह की सहरी के बाद शाम के इफ्तारी तक कुछ नहीं खाना पीना होता, यहां तक कि पानी का सेवन भी नहीं कर सकते। ऐसे में अभिनेत्री हिना खान ने भी रोजा रखा है। सोशल मीडिया पर उन्होंने अपनी सहरी और इफ्तारी की फोटो शेयर की हैं, जिसमें खाना दिख रहा है। सभी जानते ही हैं कि पिछले साल हिना खान ने ब्रेस्ट कैंसर की अपनी तीसरी स्टेज के बारे में बताया था। उनका ट्रीटमेंट और रिकवरी जारी है और काफी बेहतर रिजल्ट दिख रहे हैं। लेकिन क्या ऐसे में फास्ट रखना या भूखा रहना सेहत के लिहाज से ठीक है? क्या कैंसर सर्वाइवर को इस तरह का फास्ट रखना चाहिए? क्या इससे उन्हें किसी तरह का नुकसान हो सकता है? इन सभी बातों के बारे में जानते हैं। कैंसर से रिकवरी में फास्ट रखने के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। यह मेडिकल हिस्ट्री और कई फैक्टर पर निर्भर करते हैं। कैंसर ट्रीटमेंट से शरीर पर बहुत प्रेशर पड़ता है और वो फिर से एनर्जी पाने, टिश्यू रिपेयर करे और इम्यूनिटी बनाने में लगा रहता है।

हमेशा के लिए बहरा कर सकती है तेज आवाज

लगातार तेज आवाज में रहने से न सिर्फ हमारी सुनने की क्षमता पर असर पड़ता है, बल्कि इसका पूरे शरीर और मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे सुनने की क्षमता पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। यह असर धीरे–धीरे भी हो सकता है या कभी–कभी अचानक भी। अगर तेज आवाज में बार–बार या लंबे समय तक रहते हैं, तो सुनने की नसें हमेशा के लिए क्षतिग्रस्त हो सकती हैं।

कैसे करें कानों की हिफाजत

ईएनटी की कंसल्टेंट डॉ. मीना अग्रवाल, पीएसआरआई के अनुसार, चाहे वह तेज आवाज में संगीत सुनना हो, या हेडफोन में जोर से आवाज लगाकर सुनना, आजकल बच्चे और बड़े सभी अपने कानों में ईयरबड्स पहनते हैं। या फिर ट्रैफिक में लगातार हॉर्न सुनाई देते हैं। ये सभी तेज आवाजें न सिर्फ हमारी सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि कान के बाकी हिस्सों पर भी बुरा असर डालती हैं। तेज आवाज में रहने से कण में अजीब आवाजें आ सकती हैं, जैसे सीटी की आवाज, घंटी बजने की आवाज, मशीन चलने जैसी आवाज। इतना ही नहीं, तेज आवाज की वजह से कान की संवेदनशीलता कम हो जाती है। यह समस्या कान के सामान्य कामकाज को प्रभावित कर सकती है।

सुनने की क्षमता कम होना

लगातार तेज आवाज में रहने से कान की नसें कमजोर हो जाती हैं, जिससे सुनाई देना कम हो सकता है। इतना ही नहीं, बहुत तेज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

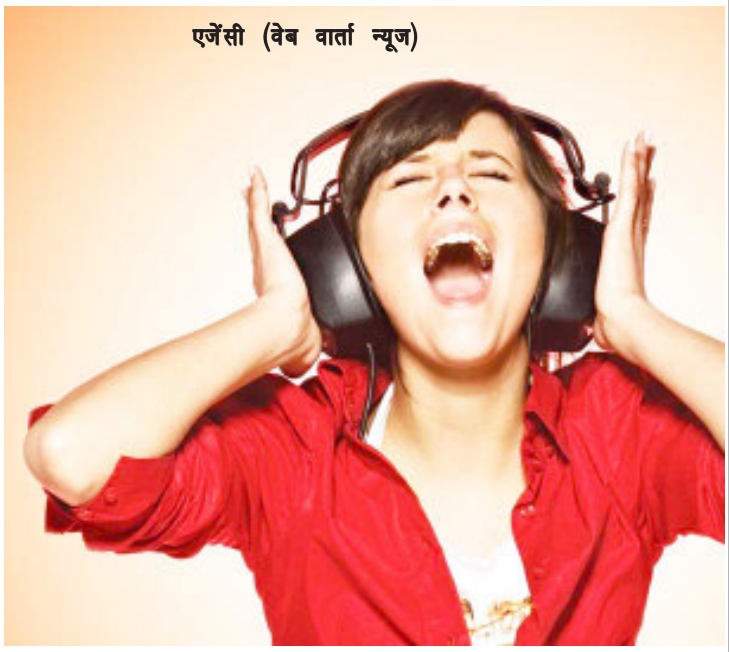

आवाज से कान में दर्द या दबाव महसूस हो सकता है।

टिनाइटस

कई बार आपको कान में सीटी, घंटी, या मशीन जैसी आवाज आती होगी, ऐसा तेज आवाज में रहने से हो सकता है। इससे आपको बहुत ज्यादा बेचौनी हो सकती है। इसके अलावा इससे सुनने की स्थायी हानि हो सकती है। लंबे समय तक तेज आवाज में सुनने से सुनने की शक्ति पूरी तरह जा सकती है।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर

तेज आवाज से मस्तिष्क पर दबाव बढ़ता है, जिससे तनाव और चिड़चिड़ापन हो सकता है। लगातार तेज आवाज में में रहने से नींद में रुकावट आती है, जिससे शरीर थका हुआ महसूस करता है। इससे मानसिक शांति भंग होती है, जिससे मूड बदलना या गुस्सा आ सकता है।

शरीर पर असर

तेज आवाज से ब्लड प्रेशर बढ़ना यानी रक्तचाप बढ़ सकता है, जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इससे हृदय गति प्रभावित हो सकती है, जिससे दिल की बीमारियां हो सकती हैं। इसके कारण मानसिक और शारीरिक थकावट महसूस होती है।

कैसे बचें?

- जरूरत से ज्यादा लाउड म्यूजिक न सुनें और सार्वजनिक जगहों पर तेज आवाज से बचें।
- तेज आवाज वाली जगहों (जैसे दृ निर्माण स्थल, ट्रैफिक) में ईयरप्लग्स या हेडफोन का इस्तेमाल करें।
- यदि आपको तेज आवाज में रहना पड़ता है, तो बीच–बीच में आराम करें।
- यदि कान में लगातार आवाज आ रही हो या सुनाई देने में समस्या हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- तेज आवाज से बचाव करना आपकी सुनने की शक्ति और स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

पद्माकर शिवलकर का ऐसा रहा करियर

बता दें कि पद्माकर शिवलकर ने 1961/62 सीजन में 21 साल की उम्र में अपना प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की थी। 1987ध्88 सीजन में 47 साल की उम्र में उन्होंने मुंबई के लिए अपना आखिरी मैच खेला। उन्होंने अपने करियर में 124 प्रथम श्रेणी मैच खेलते हुए 589 विकेट लिए। इस दौरान पांच बार 42 विकेट और 13 बार 10 विकेट हॉल लेने का उनके नाम रिकॉर्ड रहा। उन्होंने तमिलनाडु के खिलाफ रणजी ट्रॉफी 1972/73 सीजन के फाइनल में 16 रन पर 8 विकेट और 18 रन पर 5 विकेट लिए, जिससे मुंबई को लगातार 15वां खिताब मिला।

क्यों काली पट्टी बांधे मैदान पर उतरी टीम इंडिया?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में टीम इंडिया के प्लेयर्स ने मैदान पर जैसे ही कदम रखा तो उन्हें अपने हाथ में काली पट्टी बांधे हुए मैदान पर देखा गया। ऐसे में जानते हैं क्यों दुबई में खेले जा रहे इस मैच में फैंस काली पट्टी बांधे नजर आ रहे हैं? दरअसल, आमतौर पर क्रिकेट के मैच में खिलाड़ियों को काले रंग की पट्टी बांधे हुए देखा जाता है। ये किसी दिग्गज के निधन के बाद खिलाड़ियों उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते है। इस बार भारतीय टीम के खिलाड़ी मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में अपने हाथ में काली पट्टी बांधे मैदान पर उतर हैं। इसके पीछे की वजह ये है कि एक दिन पहले मुंबई के पूर्व क्रिकेटर पद्माकर शिवलकर का निधन हो गया था। वह 84 साल के थे, जिन्होंने 20 सालों तक मुंबआ के लिए घरेलू टूर्नामेंट में खेला। बाएं हाथ के स्पिनर बिशन सिंह बेदी के दौर में वह खेलते थे, लेकिन उन्हें कभी भारतीय टीम में जगह नहीं मिल सकी। मुंबई के लीजेंड पद्माकर शिवलकर के निधन के बाद टीम इंडिया के प्लेयर्स उन्हें श्रद्धांजलि देने सेमीफाइनल मैच में अपने हाथ में काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे हैं।

मुश्किल समय में आपके साथ कोई नहीं होता है

क्रिकेट

बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से किया बाहर, अब खोला श्रेयस अय्यर ने दिल

नई तकनीक ने की है मदद, खूब बोल रहा अय्यर का बल्ला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाना है। इस मैच में टीम इंडिया को जितनी उम्मीदें टॉप आर्डर के बल्लेबाज विराट कोहली, रोहित शर्मा और शुभमन गिल से हैं उतना ही श्रेयस अय्यर से भी हैं। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में अबतक कमाल का प्रदर्शन किया है। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि बीसीसीआई ने अय्यर को अपने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में जगह भी नहीं दी थी। अब अपने मुश्किल समय को याद करते हुए श्रेयस अय्यर ने कई बातें कही हैं।

श्रेयस अय्यर ने टीम इंडिया से बाहर होने पर बड़ा बयान दिया है। अय्यर ने कहा, मुझे एक व्यक्ति के रूप में किसी और पर निर्भर रहने के बजाय खुद पर जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी। समय के साथ, मुझे एहसास हुआ कि आपकी लड़ाई आप से होती है। कठिन समय में आपकी मदद करने के लिए कोई नहीं होगा, लेकिन केवल सीमित लोग ही होंगे जो आपके साथ होंगे और आप उन्हें बहुत करीब से जानते हैं।

श्रेयस अय्यर ने कहा, जो तकनीक मैंने सीखी है उसने मुझे पिछले कुछ साल में बहुत मदद की है। इसके अलावा मैंने वर्तमान में रहना सीखा है और जो कुछ पहले हुआ उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देना है। तो हां, मैं बस खुद का समर्थन कर रहा हूं और हर स्थिति में उस तरह का आत्मविश्वास दिखा रहा हूं जिसमें मैं प्रवेश करता हूं। मैं हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन करना पसंद करता हूं।

चैंपियंस ट्रॉफी में श्रेयस अय्यर का बल्ला जमकर बोला है। अय्यर ने पाकिस्तान के खिलाफ 56 रनों की पारी खेली। वहीं उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया को 79 रन बनाकर मुश्किल से बाहर निकाला था। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्होंने 59, 44 और 78 रन की पारी खेली थी।

9 गेंदों में नहीं खोल पाए खाता, शमी ने किया शिकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने चौंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में मंगलवार को यहां भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण के आखिरी मैच को जीतने वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम 11 में दो बदलाव करते हुए मैथ्यू शॉर्ट के स्थान पर कूपर कोनोली और स्पेंसर जॉनसन के स्थान पर तनवीर संघा को टीम में शामिल किया है। वहीं कूपर कोनोली ने भारत के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में डेब्यू करते हुए इतिहास रचा था। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए आईसीसी वनडे इवेंट्स में खेलने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। वह इस वक्त 21 साल और 194 दिन के हैं।

■ डेब्यू करते ही तोड़ा था स्टीव स्मिथ का रिकॉर्ड

भारतीय टीम के अनुभवी तेज तर्रार गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कूपर कोनोली का शिकार किया। उन्होंने कोनोली को विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराया। कोनोली कट शॉट खेलना चाहते थे। लेकिन गेंद उनके बल्ले का एज लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। बता दें कि कोनोली ने 9 गेंदों का सामना किया। लेकिन फिर भी वह अपना खाता नहीं खोल पाए।

साउथ अफ्रीका-न्यूजीलैंड के बीच दूसरा सेमीफाइनल आज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 5 मार्च को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच एक हाई वोल्टेज मुकाबला होने की पूरी संभावना है। साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड दोनों ही दो-दो मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। जहां एक मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साउथ अफ्रीका का बारिश के चलते रद्द हो गया था। वहीं न्यूजीलैंड को अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबले में भारत के खिलाफ 44 रन से हार का सामना करना पड़ा था। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के मुफीद रही है। अब तक चौंपियंस ट्रॉफी में भी बल्लेबाजों का लाहौर में बोलबाला रहा है। यहां पर गेंदबाजों को ज्यादा मदद नहीं मिलती।

न्यूज डायरी

विराट कोहली ने बीच मैदान भांगड़ा कर फैंस को किया एंटरटेन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अक्सर मैदान पर फील्डिंग के दौरान अपनी मजेदार हरकतों से फैंस को एंटरटेन करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। हाल ही में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भी उन्होंने ऐसा ही किया। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया और पहले बैटिंग करने उतरी कंगारू टीम को तीसरे ओवर में ही झटका लगा। मोहम्मद शमी ने कूपर कोनोली को अपना शिकार बनाया। शमी के इस विकेट को लेते ही बीच मैदान किंग कोहली नाचने लगे। उनके डांस मूव्स का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया पर विराट कोहली का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह मैदान पर फील्डिंग करते हुए भांगड़ा करते हुए नजर आ रहे हैं। कोहली का ये डांस मूव्स देख स्टेडियम में बैठे फैंस भी झूम उठे। कोहली ने बीच मैदान डांस उस वक्त किया जब टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कूपर कोलोनी को अपना शिकार बनाया। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 4 रन के स्कोर पर ही पहला विकेट गंवाया। मैच में पहली गेंद पर ट्रेविस हेड को सबसे पहले जीवनदान मिला। मोहम्मद शमी उनका कैच लपकने में मिस कर बैठे, लेकिन फिर शमी ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के ओपनर कूपर कोनोली को चलता कर भारत को पहली सफलता दिलाई।

अश्विन ने मानी वरुण की बात और हो गया हेड का काम तमाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जब चैंपियंस ट्रॉफी-2025 में सेमीफाइनल की भिड़ंत तय हुई थी तब सभी के मन में डर था। डर ट्रेविस हेड नाम के दानव का। दानव भावनात्मक लिहाज से कहना ठीक ही होगा क्योंकि इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने भारत को दो बार विश्व चौंपियन बनने से रोका। हालांकि, इस बार हेड का दांव चला नहीं। कारण है रविचंद्रन अश्विन का मास्टर प्लान जो रोहित शर्मा और वरुण चक्रवर्ती ने फॉलो किया भारत को राहत दी। हेड अपने पैर जमाते दिख रहे थे। ऐसे में रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट लेने वाले वरुण चक्रवर्ती को बुलाया और फिर जो हुआ उसने करोड़ों भारतवासियों के चेहरे पर रौनक बिखेर दी। जो भी मैच देख रहा था वो खुशी मनाए बिना नहीं रह पाया। वरुण को रोहित ने नौवें ओवर में गेंद दी। ओवर की दूसरी ही गेंद पर हेड ने वरुण पर बड़ा शॉट मारने का प्रयास किया। गेंद हेड के बल्ले पर चढ़ी नहीं और ऊपरी किनारा लेकर हवा में गई। अब जो करना था वो भारत के उप-कप्तान शुभमन गिल को करना था। गिल जानते थे कि ये बहुत बड़ा विकेट है और इसलिए उन्होंने कोई गलती नहीं गिल ने कैच पकड़ा और इधर करोड़ों भारतवासियों के चेहर पर हंसी बिखेर दी।

योगराज सिंह ने शमा मोहम्मद को जमकर फटकार लगाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के मोटापे पर टिप्पणी करके बवाल मचा दिया है। इस पर भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यह विवाद बढ़ा जब शमा ने रोहित शर्मा की बॉडी पर असभ्य बयान दिया। शमा ने रोहित शर्मा को सबसे गैर प्रभावी भारतीय कप्तान करार दिया और उन्हें वजन कम करने की सलाह दी थी। शमा ने बाद में एक्स से इस पोस्ट को डीलिट कर दिया था। हालांकि, यह मामला तब तक तूल पकड़ चुका था और क्रिकेट जगत व फैंस ने कांग्रेस नेता को जमकर फटकार लगाई थी। यही वजह रही कि कांग्रेस प्रवक्ता को अपना पोस्ट डीलिट करना पड़ गया था। याद दिला दें कि शमा मोहम्मद ने इंटरव्यू में दावा किया कि खिलाड़ी होने के नाते रोहित शर्मा ओवरवेट हैं। 52 साल की शमा ने रोहित की फिटनेस की तुलना पूर्व कप्तानों विराट कोहली, एमएस धोनी और सौरव गांगुली से भी की। हमारे देश के लोग जब देश में रह रहे हैं तो हमारे खिलाड़ियों और देशवासियों के बारेम में गलत नहीं बोल सकते। अगर मैं प्रधानमंत्री होता तो कहता कि अपना सामान बांधो और देश से बाहर जाओ। प्रधानमंत्री को उनसे कहना चाहिए कि माफी मांगो या देश छोड़ो।

पेज थ्री देहरादून

'विकसित भारत–विकसित उत्तराखण्ड' मेगा प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए सीएम धामी।

देहरादून, बुधवार, 5 मार्च 2025

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

पुरानी पेंशन बहाली को देहरादून से जंतर मंतर तक पैदल मार्च

संवाददाता देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली को राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा 23 मार्च को दिल्ली जंतर मंतर पर एनपीएस, यूपीएस के खिलाफ विरोध जताएगा। देहरादून से दिल्ली जंतर मंतर तक पैदल मार्च निकाला जाएगा। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीपी सिंह रावत ने बताया कि 16 मार्च को सुबह आठ बजे शहीद स्मारक देहरादून से पैदल मार्च शुरू होगा। जो देहरादून से हरिद्वार, रुड़की, पुरकाजी, मुजफ्फरनगर, खतौली, मेरठ, मोदी नगर, मुरादनगर, गाजियाबाद नोएडा होते हुए 23 मार्च सुबह 10 बजे जंतर मंतर दिल्ली पहुंचेगा। पहली बार पुरानी पेंशन बहाली की मांग को 260 किलोमीटर की दूरी पैदल चलकर तय की जाएगी।

पानी की लाइन बिछाने के लिए खोदी सड़क डेढ़ महीने में भी नहीं बनी

संवाददाता देहरादून। निकाय चुनाव के दौरान जाफर हाल में पेयजल निगम ने पाइप लाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी थी, जिसे डेढ़ महीने बाद भी नहीं बनाया जा सका है। इससे स्थानीय निवासियों के साथ ही स्कूली बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि अभी तक लोगों को पानी के कनेक्शन भी नहीं दिए गए हैं, साथ ही लाइन की टेस्टिंग तक नहीं हो पाई है। इससे सड़क बनने में देरी हो रही है। लोगों का कहना है कि निकाय चुनाव के दौरान जितनी तेजी लाइन को बिछाने में दिखाई थी, उतनी तेजी कनेक्शन देने के साथ ही सड़क मरम्मत करने में भी दिखानी चाहिए थी।

जन औषधि सेवा सप्ताह में सम्मानित किया गया

संवाददाता देहरादून। जन औषधि सेवा सप्ताह के तहत मसूरी में समाज सेवा में बेहतर कार्य करने वाली संस्था शुभ मंगलम को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम फार्मास्युटिकल और मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया और लाल बहादुर शास्त्री अकादमी स्थित जन औषधि केंद्र की ओर से आयोजित किया गया। जन औषधि सप्ताह पूरे देश में मनाया जा रहा है, इसके तहत मसूरी में भी सेवा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

हरिद्वार कुंभ में प्रयागराज महाकुंभ के अनुभव आयेंगे काम: मुख्यमंत्री

अभिनन्दन कार्यक्रम

■ प्रयागराज महाकुंभ ड्यूटी से लौटने के बाद एसडीआरएफ के जवानों का सीएम ने किया अभिनंदन

■ एसडीआरएफ को 05 लाख रुपए का पुरस्कार चेक किया प्रदान

संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार कुंभ में प्रयागराज महाकुंभ के अनुभव काम आयेंगे। एसडीआरएफ टीम ने महाकुंभ में अपनी दक्षता का कुशल परिचय देकर उत्तराखंड का मान बढ़ाया है। यह बात सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सीएम आवास में एसडीआरएफ के 112 कार्मिकों के वापस आने पर आयोजित महाकुंभ प्रयागराज 2025 अभिनन्दन कार्यक्रम में बात कही। इस मौके पर उन्होंने एसडीआरएफ की टीम को पुरस्कार स्वरूप 5 लाख रुपए का चेक भी सौंपा।

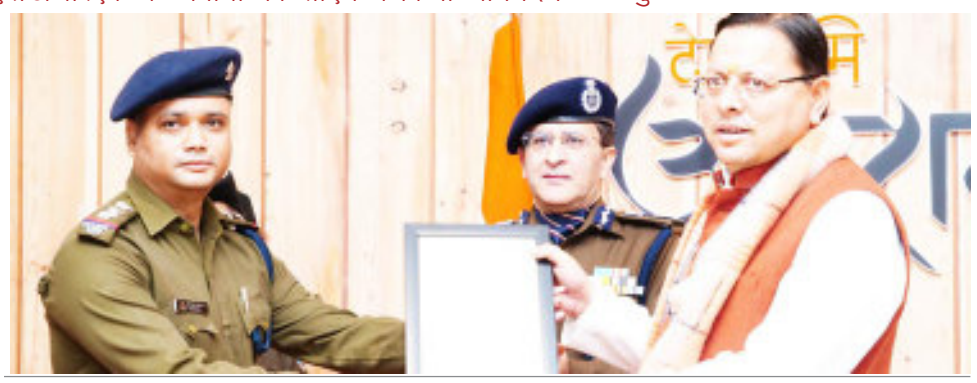

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ प्रयागराज में बेहतर सेवाएं देने पर एसडीआरएफ की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये अनुभव हरिद्वार के 2027 कुंभ में काम आयेंगे। कुंभ को भव्य रूप से आयोजित करने में मदद भी मिलेगी। इस महाकुंभ से हमारे जवानों का आत्मविश्वास बढ़ा है तथा भीड़ का कुशल प्रबंधन करने में सफल होंगे।

सीएम धामी ने कहा कि सनातन धर्म के महासंगम की चुनौती को संभालना चुनौतीपूर्ण कार्य था। बेहतर व्यवस्थाओं और प्रबंधन से यूपी के साथ ही उत्तराखंड सरकार का सर ऊंचा हुआ है। यही अनुभव 2027 के कुंभ में मददगार साबित होंगे। हमारा प्रयास है कि वाहनों के लिए सुनियोजित पार्किंग व्यवस्था हो जिसके लिए सरकार पूरी तरह से प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों और आपदा की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है। इन चुनौतियों से पार पाने के लिए एसडीआरएफ द्वारा सराहनीय कार्य किए गए हैं। श्रेष्ठ आपदा प्रबंधन में एसडीआरएफ की अहम भूमिका रही है। आपदा प्रबंधन के लिए क्विक रिस्पॉन्स और अत्याधुनिक उपकरणों से राज्य में आपदा के प्रभाव को कम करने में काफी मदद मिली है।

इस मौके पर उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति विनय रोहिला, सचिव गृह शैलेश बगोली, डीजीपी दीपम सेठ, एडीजी अमित सिन्हा, वी मुरुगेशन, ए. पी अंशुमन, सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन, आईजी एसडीआरएफ श्रीमती रिद्धिम अग्रवाल, कमांडेंट एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी, एसडीआरएफ के अधिकारी और जवान उपस्थित थे।

सीएम ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया का किया निरीक्षण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को देहरादून पुलिस लाइन में पुलिस कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया का निरीक्षण किया और भर्ती के लिए आए युवाओं का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून से भर्ती प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने भर्ती में शामिल युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने भर्ती प्रक्रिया की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। इस अवसर पर उन्होंने भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया।

सीएम की दुर्गम क्षेत्र प्राथमिकता को जिला प्रशासन देगा मूर्तरूप

बहुउद्देशीय शिविर

■डीएम ने प्लान किया क्षेत्र भ्रमण, जनसुनवाई एवं जन गतिविधियों का बस्ता

संवाददाता

देहरादून। सीएम की प्राथमिकता दुर्गम क्षेत्र में पहुंचे निवेश को जिला प्रशासन मूर्तरूप देने में जुट गया है। फलस्वरूप डीएम सविन बंसल का मार्च के तीसरे सप्ताह में जनपद के दुर्गम क्षेत्र त्यूनी, चकराता में 03 दिन का प्रवास कार्यक्रम प्रस्तावित है इस दौरान डीएम सभी अधिकारियों के साथ क्षेत्रवासियों की समस्या के निस्तारण हेतु वृहद्स्तर पर बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया जाएगा।

कोटी कनारास में 200 नव गठित वन पंचायतों कान्क्लेव, हनोल मंदिर परिसर में स्थानिकों, पुरोहितों के साथ मन्दिर के मास्टर प्लान, विस्तारीकरण के सम्बन्ध में स्थानिकों के हित एवं सुझाव आदि समुचित विषय पर विमर्श किया जाएगा।

इसी दौरान डीएम कोटी कनासर में 200 नव निर्मित वन पंचायत के कान्क्लेव में शामिल होंगे वन पंचायतों को जिला प्रशासन स्तर से प्रथमबार आपदा मद से धनराशि प्रदान की जा रही है। इससे वन पंचायतों के सुदृढीकरण से जहां वनाग्नि को राकने में मदद मिलेगी वहीं फायर वाचर की क्षमता भी बढेगी। यह पहला अवसर है जब कोई डीएम दुर्गम क्षेत्र में 03 दिन प्रवास कर क्षेत्र वासियों की समस्या सुनगें।

इस दौरान वृहद्स्तर पर बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जहां पेंशन, स्वास्थ्य जांच विभिन्न प्रमाण पत्र आदि कार्य मौके पर ही निस्तारित किए जाएगें।

कौशल विकास और रोजगार बढ़ाने के लिए उद्योग सरकार में तालमेल जरूरी

संवाददाता देहरादून। कौशल विकास और रोजगार बढ़ाने के लिए उद्योग सरकार में तालमेल जरूरी है। सचिव श्रम उत्तराखंड सरकार डॉ पंकज पांडे ने मंगलवार को राजपुर स्थित एक होटल में कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के वार्षिक सत्र के दौरान यह बात कही। उत्तराखंड की आर्थिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने सेवा क्षेत्र को कौशल संवर्धन के लिए एक प्रमुख क्षेत्र बनाने पर जोर दिया। सचिव कौशल विकास एवं रोजगार सी रवि शंकर ने उत्तराखंड के कुशल कार्यबल के प्रवास पर चिंता व्यक्त करते हुए स्थानीय रोजगार के अवसर पैदा करके प्रतिभा को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने टाटा मोटर्स को 23 आईटीआई केंद्रों को समर्थन देने और डुअल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग (डीएसटी) शुरू करने के लिए आभार जताया। सीआईआई उत्तराखंड के अध्यक्ष व एक्मे ड्रग्स के कार्यकारी निदेशक कनिष्क जैन ने कौशल विकास में उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

ओएनजीसी के जुबिन और सौरभ टीटी के चैंपियन बने

संवाददाता देहरादून। ओएनजीसी की ओर से आयोजित हॉकी, टेबल टेनिस पीएसपीबी इंटर यूनिट टूर्नामेंट में मंगलवार को टीटी मैंस डबल्स में ओएनजीसी के जुबिन कुमार और सौरभ ने फाइनल मुकाबला जीता। आईओसीएल के मानव ठक्कर और सुधांशु ग्रोवर दूसरे, गेल के पी प्रशश और जश मोदी तीसरे स्थान पर रहे। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर देहरादून में मंगलवार को फाइनल और क्वार्टर फाइनल के मुकाबले खेले गए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।